मुजहना MUJAHANA weekly

77, Khera Khurd, Delhi-110082 (BHARAT)
R.N.I. REGISTRATION No.68496/97
Price this issue: Rs. 2/- Yearly Rs. 100/-. Life member Rs. 1000/-.

Mujahana• Bilingual-Weekly• Volume 21 Year 21 **ISSUE 40CY, Sep 30-Oct 06, 2016**. Published every Thursday for Manav Raksha Sangh, Registered Trust No 35091 by Ayodhya Prasad Tripathi, at 77, Khera Khurd, Delhi – 110082. ``Phone +91-9868324025.; +(91) 9152579041 . Printed by Ayodhya Prasad Tripathi at 77 Khera Khurd, Delhi-110082. **Editor: Ayodhya Prasad Tripathi.** Processed on Desk Top Publishing & CYCLOSTYLED by **Ayodhya Prasad Tripathi.** Email: aryavrt39@gmail.com; Web site: http://aaryavrt.blogspot.com and http://www.aryavrt.com Muj16W40CY SANDESH MMPAULKA

Ph: (+91)9868324025/9152579041
सार्वभौम आर्यावर्त सरकार
७७ खेड़ा खुर्द,दिल्ली ११००८२.

Letter No. ..... Date.....

||श्री गणेशायनमः||

महामहिम श्री पॉउल जी!

राज्यपाल, उख सरकार, राजभवन, देहरादून, २८१००१.

विषय: आप का उख के उपनिवेशवासियों को संदेश.

संदर्भ: पेंशन.

आप को महामहिम कहना महामहिम शब्द का अपमान है.

वह लोकसेवक, जज या राज्यपाल मूर्ख ही होगा, जो बपतिस्मा, अज़ान के विरुद्ध कार्यवाही कर नौकरी गवांना चाहेगा... राज्यपाल सहित लोकसेवक का पेशा सत्य को नष्ट करना है. बिल्कुल झूठ कहना; समाज को दूषित करना और गालियां देना राज्यपाल व लोकसेवकों की विवशता है. राज्यपाल पर्दे के पीछे शासकों (एलिजाबेथ) के लिए कार्य करने वाले मातहत और उपकरण हैं. ... बौद्धिक वेश्याएं हैं.

२०वीं सदी के सदाबहार झूठे, मीरजाफर पाकपिता - राष्ट्रहंता बैरिस्टर मोहनदास करमचन्द गांधी ने कोई आजादी नहीं दिलाई. हमारे पूर्वजों के ९० वर्षों के बलिदानों की उपलब्धि है, उपनिवेश के पूर्व शब्द 'स्वतंत्र' का जोड़ा जाना. चुनाव द्वारा स्थितियों में कोई परिवर्तन सम्भव नहीं| आज़ादी धोखा है. इंडिया आज भी एलिजाबेथ का उपनिवेश और ब्रिटेन का दास है. सभी ब्रिटिश कानून ही देश पर लागू हैं.

आप उपनिवेशवासियों के चुने प्रतिनिधि नहीं हैं. एलिजाबेथ ने आप का मनोनयन उपनिवेशवासी को स्थायी बलिपशु बनाये रखने के लिए और वैदिक सनातन संस्कृति को समूल नष्ट करने के लिए कराया है. भारतीय संविधान के अनुच्छेद १५९ के अधीन आप ने भारतीय संविधान और कानूनों के संरक्षण, पोषण व संवर्धन की शपथ ली है. भारतीय दंड संहिता की धारा १२१ उपनिवेश विरोधी को फांसी देने के लिए और भारतीय दंड संहिता की धाराएं १५३ व २९५ मस्जिद, अज़ान और खुत्बे के विरोधी पर रासुका लगाने के लिए संकलित की गई है.

अब्रह्मी संस्कृतियों ने जहां भी आक्रमण या घुसपैठ की, वहाँ की मूल संस्कृति और निवासियों को नष्ट कर दिया| लक्ष्य प्राप्ति में भले ही शताब्दियाँ लग जाएँ, ईसाइयत और इस्लाम आज तक विफल नहीं हुए| इनको इंडिया में रोककर एलिजाबेथ वैदिक संस्कृति को मिटा रही है.

अब्रह्मी संस्कृतियों और उपनिवेश का विरोध करने के कारण मेरे विरुद्ध अबतक ५० अभियोग चले, ३ आज भी लम्बित हैं. लेकिन आप न तो मुझे फांसी दिला पाए और न ही रासुका लगाया.

भारतीय दंड संहिता की धाराओं १२१, १५३ व २९५ का संकलन इसलिए किया गया है कि ज्यों ही किसी उपनिवेशवासी का स्वाभिमान जग जाए और वह विरोध कर बैठे, जैसा कि मैं १९९१ से करता आ रहा हूँ, जेल में सन १९९९ से बंद दारा सिंह ने, २००८ से बंद मेरे ९ मालेगांव बम कांड के सहयोगियों और अब कमलेश तिवारी ने किया है, त्यों ही उसको कुचल दिया जाये - ताकि लोग भयवश आतताई अब्रह्मी संस्कृतियों का विरोध न कर सकें और वैदिक सनातन संस्कृति को सहजता से समाप्त कर दिया जाये. यही कारण है कि किसी वाइसराय, राष्ट्रपति या राज्यपाल अथवा जिलाधीश ने, ई०स० १८६० से आज तक कभी भी किसी ईमाम पर दंड प्रक्रिया संहिता की धारा १९६ के अधीन अभियोग चलवाने का साहस नहीं किया – जब कि यह अपमान स्वयं तब के वाइसराय, जो अब राष्ट्रपति कहे जाते हैं, राज्यपाल और जिलाधीश का भी होता आ रहा है.

आप गौ नर भक्षी एलिजाबेथ के इंडियन उपनिवेश के दास हैं, जिसका लक्ष्य धरती के सभी धर्मों को नष्ट कर केवल ईसा की पूजा कराना है.

http://www.aryavrt.com/elizabeth-kaun-hai

सत्ता के हस्तान्तरण का लोभ देकर माउंटबेटन ने आप से वैदिक सनातन संस्कृति की आधार शिलाओं गुरुकुल, गौ, गायत्री और गंगा को नष्ट करा दिया है|

मनुष्य को सम्प्रभु बनाने वाले निःशुल्क गुरुकुलों को त्याग कर आपने मैकाले के महंगे यौनशिक्षा स्कूलों को अपना लिया है.

एलिजाबेथ के उपनिवेश में दासता करने में जजों, आप व लोकसेवकों को लज्जा नहीं आती. जो भी उपनिवेश का विरोध करे, उसे फांसी दिलाना सबकी विवशता है.

एलिजाबेथ के पुलिस के संरक्षण में तथाकथित पूजास्थल मस्जिदों से सहिष्णु और सर्वधर्मसमभाव वादी मुअज़्ज़िन/ईमाम लाउडस्पीकर पर हर शुक्रवार मस्जिदों से मुसलमानों को काफिरों को कत्ल करने के उपदेश (खुत्बे) देते हैं और प्रतिदिन ५ बार, अज़ान यानी ईशनिंदा का प्रसारण करते हैं. काफिरों को अज़ान और 'कलिमा' द्वारा चेतावनी देते हैं, "ला इलाहलिल्लाहू मुहम्मद्दुर रसुल्ल्लाहू". इस अरबी वाक्य का अक्षरशः अर्थ है, "मात्र अल्लाह की पूजा हो सकती है. मुहम्मद अल्लाह का रसूल है|" लेकिन राष्ट्रपति और राज्यपाल अज़ान और खुत्बे नहीं बंद करा सकते हैं.

http://www.aryavrt.com/fatwa

माउंटबेटन ने ईसाइयत के रक्षार्थ पत्नी एडविना का वैश्यालय खोल लिया. क्या वैदिक संस्कृति के रक्षार्थ मुझे पेंशन दे सकते हैं?

अयोध्या प्रसाद त्रिपाठी (सू० स०)

दिनांक; ०३/१०/१६

http://www.aryavrt.com/muj16w40cy-sandesh-mmpaulka

Your Registration Number is : PMOPG/E/2016/0376024